RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
17
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

याकतेन भारत का पहला डिजिटल नोमैड गांव / Yakten is India's first digital nomad village

संदर्भ:

सिक्किम के पाक्योंग ज़िले के याकतेन गांव को हाल ही में भारत का पहला 'डिजिटल नोमैड गांव' घोषित किया गया है। यह पहल हिमालयी क्षेत्र में एक सतत रिमोट वर्क हब विकसित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसका मकसद है स्थानीय होमस्टे मालिकों को स्थायी आय का स्रोत प्रदान करना और देश-विदेश के डिजिटल पेशेवरों को आकर्षित करना, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले और सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिले।

याकतेन: भारत का पहला डिजिटल नोमैड गांव:

परियोजना की पृष्ठभूमि और हालिया विकास-

- 'Nomad Sikkim' परियोजना के तहत याकतेन गांव को डिजिटल नोमैड्स के लिए आदर्श कार्यस्थल के रूप में विकसित किया गया है।
- यह एक साझेदारी है पाक्योंग जिला प्रशासन और NGO सर्वहिताय (Sarvahitey) के बीच।
- उद्देश्य: एप्रिल से अक्टूबर के *ऑफ-सीजन* में होमस्टे ऑपरेटर्स की आय में कमी को दूर करना।
- मुख्य *इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार:*
  - डुअल इंटरनेट लाइन और गांव भर में Wi-Fi कवरेज
  - बिजली बैकअप (इनवर्टर)
  - जल जीवन मिशन के तहत जल संकट समाधान की योजना

याकतेन का महत्व:

- याकतेन एक **ग्रामीण परिवेश** और **आधुनिक वर्कस्पेस** का अनूठा संगम है।
- शहरों के *coworking spaces* की तुलना में यहां:
  - **स्थानीय परिवारों द्वारा संचालित ब्रॉडबेंड-सुसज्जित होमस्टे** उपलब्ध हैं।
  - **पारंपरिक भोजन, बाग-बगिचे, और ट्रेकिंग ट्रेल्स** कार्य और मानसिक संतुलन दोनों में सहायक हैं।
- मॉडल: **सस्टेनेबल टूरिज्म** और **ग्रामीण विकास** का समर्थन करता है।

बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

- **इंटरनेट प्राथमिकता** में:
  - दो इंटरनेट लाइनें और संपूर्ण Wi-Fi कवरेज।
- **बिजली** के लिए इनवर्टर आधारित बैकअप।
- **जल संकट समाधान** पर कार्य जारी।
- **पहुंच मार्ग:** पाक्योंग एयरपोर्ट से जुड़ा, सालभर सड़क मार्ग से भी जुड़ा हुआ गांव।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था और डिजिटल वर्क कल्चर पर प्रभाव

- याकतेन में यह पहल: स्थानीय निवासियों के लिए नई आय का **स्रोत** बनी।
  - मौसमी पर्यटन पर निर्भरता को कम किया।
- यह दर्शाता है कि कैसे **ग्रामीण भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था** में भागीदारी कर सकता है, **संस्कृति को संरक्षित रखते हुए**।
- यह मॉडल अन्य क्षेत्रों को **कार्यस्थलों का विकेन्द्रीकरण** और **सतत आजीविका** के लिए प्रेरित कर सकता है।

पर्यटन और मनोरंजन

- प्रमुख ट्रेल्स**:** 7 किलोमीटर का ट्रेक – *झांडी दारा व्यूपॉइंट* तक, माउंट कंचनजंघा के दृश्य के साथ।
- **शांत ग्राम्य मार्ग**, **सीढ़ीनुमा खेतों**, और **सामुदायिक उद्यानों** में सैर।
- **निकटवर्ती ऐतिहासिक खंडहर** और **बौद्ध मठ** अनुभव को और समृद्ध करते हैं।

डिजिटल नोमैड विलेज क्या होता है: डिजिटल नोमैड विलेज एक विशेष रूप से डिज़ाइन की गई *सामुदायिक जगह* होती है जो उन लोगों के लिए तैयार की जाती है जो *रिमोट वर्क (दूरस्थ कार्य)* करते हैं — जैसे कि फ्रीलांसर, टेक प्रोफेशनल, डिजिटल एंटरप्रेन्योर आदि। ये गांव उन्हें *रहने और काम करने* की सारी आधुनिक सुविधाएँ एक ही जगह प्रदान करते हैं।

डिजिटल नोमैड विलेज की प्रमुख विशेषताएं:

- **को-वर्किंग और को-लिविंग स्पेस:** काम और जीवन दोनों के लिए साझा स्थान।
- **तेज और स्थायी Wi-Fi:** रिमोट वर्क के लिए सबसे ज़रूरी सुविधा।
- **समान सोच वाले लोगों की कम्युनिटी:** एक नेटवर्क जो सीखने, सहयोग और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करता है।
- **प्राकृतिक, शांत वातावरण:** मानसिक शांति और संतुलन के लिए आदर्श।
- **स्थानीय संस्कृति और अनुभवों से जुड़ाव:** स्थानिक पर्यटन, लोक कलाएं, भोजन, आदि।

सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला / Supreme Court on Free Speech on Social Media

संदर्भ:

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरुपयोग, विशेष रूप से सोशल मीडिया पर बढ़ती गैर-जिम्मेदार टिप्पणियों को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि इस संवैधानिक अधिकार के साथ स्वनियंत्रण और जिम्मेदारी भी आवश्यक है, ताकि समाज में अराजकता और वैमनस्य को रोका जा सके। न्यायालय ने यह भी सुझाव दिया कि इस दिशा में ठोस दिशा-निर्देशों और नियमन की आवश्यकता है ताकि स्वतंत्रता और अनुशासन के बीच संतुलन बना रहे।

सुप्रीम कोर्ट के हालिया अवलोकन:

- **अभिव्यक्ति और दुरुपयोग में अंतर:** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि *"किसी मुद्दे पर राय रखना अलग बात है, लेकिन उसे जिस भाषा या शैली में कहा जाता है,* वह अगर आपत्तिजनक हो, तो वह बोलने की स्वतंत्रता का दुरुपयोग है।" इससे अनावश्यक मुकदमेबाज़ी बढ़ती है और कानून व्यवस्था तंत्र पर बोझ भी।
- **सोशल मीडिया पर आत्म-अनुशासन:** नागरिकों को सोशल मीडिया पर स्वनियंत्रण बरतना चाहिए। अगर स्व-नियमन असफल रहता है, तो राज्य को हस्तक्षेप करना पड़ सकता है ताकि विभाजनकारी प्रवृत्तियों को रोका जा सके।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(a)

- **क्या कहता है ?** अनुच्छेद 19(1)(a) नागरिकों को *अभिव्यक्ति और वाक स्वतंत्रता* का मौलिक अधिकार देता है।
- **दो तरह की व्याख्या:**
  - **Vertical Application** – राज्य या सरकार के विरुद्ध लागू।
  - **Horizontal Application** – अन्य नागरिकों के विरुद्ध भी यह अधिकार लागू हो सकता है।

केस संदर्भ: कौशल किशोर बनाम राज्य (2023)

- **इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने माना:** मौलिक अधिकार सिर्फ राज्य के खिलाफ नहीं, बल्कि निजी व्यक्तियों (citizens) के खिलाफ भी लागू हो सकते हैं। यानी अगर कोई व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है, तो भी संविधानिक संरक्षण मिल सकता है।

सोशल मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रभाव

सकारात्मक प्रभाव (Positive Impacts):

1. **आवाज़ का लोकतंत्रीकरण:** हाशिये पर पड़े समुदायों, आदिवासी, दलित, महिला व LGBTQ+ समूहों को **अपनी बात रखने का मंच** मिलता है।
2. **भागीदारीपूर्ण लोकतंत्र को मजबूती**: नागरिक **नीति, समाज और राजनीति** जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा कर सकते हैं।
   - इससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में **सक्रिय भागीदारी** बढ़ती है।
3. **उत्तरदायित्व और पारदर्शिता:**
   - सोशल मीडिया एक **जन मंच** बन गया है जहाँ लोग **सरकारी नीतियों, नेताओं और संस्थानों की आलोचना** कर सकते हैं।
   - *जनहित के मुद्दे*, भ्रष्टाचार, कुप्रशासन आदि को उजागर किया जाता है।

नकारात्मक प्रभाव (Negative Impacts):

1. **भ्रामक जानकारी और फेक न्यूज़ (Misinformation & Fake News)**
   - झूठी ख़बरें तेजी से फैलती हैं जिससे **अफवाह, दंगे, या मानहानि** की घटनाएँ हो सकती हैं।
   - चुनावों को प्रभावित करना, सांप्रदायिक तनाव बढ़ाना इसके उदाहरण हैं।
2. **हेट स्पीच और ऑनलाइन उत्पीड़न (Hate Speech & Abuse)**
   - ट्रोलिंग, व्यक्तिगत हमले, धमकी और लैंगिक हिंसा के मामले बढ़े हैं।
   - इसका **मानसिक स्वास्थ्य** पर गहरा प्रभाव पड़ता है।
3. **एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह (Algorithmic Bias)**
   - सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के एल्गोरिदम **सिर्फ उन्हीं विचारों को बढ़ावा देते हैं जो ज्यादा क्लिक योग्य या सनसनीखेज़ हों**।
   - इससे **विचारों की विविधता** खत्म होती है और **इको चैंबर** बनते हैं।

निष्कर्ष: सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को सशक्त बनाया है लेकिन इसके **दुरुपयोग और अनियंत्रित स्वरूप** से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी खतरे में पड़ सकती है।

- जरूरत है नागरिकों की डिजिटल साक्षरता, प्लेटफॉर्म की जवाबदेही और संतुलित नियमन की।

स्किल इंडिया मिशन / Skill India Mission

संदर्भ:

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने **स्किल इंडिया मिशन** के **10 वर्ष पूरे होने** के उपलक्ष्य में सप्ताहभर चलने वाले समारोह की शुरुआत की है। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य भारत में **कौशल प्रशिक्षण**, **रोज़गार उन्मुख शिक्षा**, और **युवाओं के सशक्तिकरण** में पिछले एक दशक में हुई उपलब्धियों को रेखांकित करना है।

स्किल इंडिया मिशन: एक दृष्टि में

प्रारंभ: यह मिशन 2015 में **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय** द्वारा शुरु किया गया था।

- उद्देश्य: भारत के युवाओं को रोज़गारयोग्य कौशल देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना।

प्रशिक्षण लक्ष्य: वर्ष 2022 तक **40 करोड़ व्यक्तियों** को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

अब तक की प्रगति:

- 2.27 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- इसमें ग्रामीण युवा, महिलाएं और वंचित समुदायों के लोग प्रमुख रुप से शामिल हैं।

गुणवत्ता और मानकीकरण:

- सभी प्रशिक्षण और प्रमाणन नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (NSQF) के अनुरुप होते हैं।
- इससे **एकरूप मानक** और **उद्योग-प्रासंगिकता** सुनिश्चित होती है।

डिजिटल एकीकरण:

- पाठ्यक्रमों को DigiLocker और राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा (NCrF) से जोड़ा गया है।
- इससे डिजिटल प्रमाणपत्रों की सुरक्षित भंडारण और शैक्षणिक/करियर प्रगति में मदद मिलती है।

रोज़गार और शिक्षा से जुड़ाव:

- कौशल की औपचारिक मान्यता को बढ़ावा देता है।
- उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय और रोज़गार व उच्च शिक्षा के अवसरों में वृद्धि करता है।

स्किल इंडिया प्रोग्राम के अंतर्गत प्रमुख पहलें

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY):

- वर्ष 2015 में शुरु की गई प्रमुख शॉर्ट-टर्म ट्रेनिंग योजना।
- प्रमाणन आधारित प्रशिक्षण, मौद्रिक प्रोत्साहन और पूर्व कौशल की मान्यता पर बल।

जन शिक्षण संस्थान (JSS):

- 15–45 वर्ष की आयु वर्ग की अशिक्षित, स्कूल छोड़ चुकी और हाशिए पर मौजूद महिलाओं को लक्षित करता है।
- ग्रामीण व शहरी गरीब क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।

राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना (NAPS):

- इंडस्ट्री-आधारित ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग को बढ़ावा देता है।
- प्रशिक्षुओं को वेतन सहायता (स्टाइपेंड) प्रदान करता है।

स्किल इंडिया डिजिटल हब (SIDH):

- एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म, जो शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता से संबंधित सेवाओं को जोड़ता है।
- आधार आधारित ट्रैकिंग और प्रदर्शन-आधारित भुगतान प्रणाली सुनिश्चित करता है।

स्किल हब इनिशिएटिव (SHI):

- औपचारिक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा एकीकृत करता है।
- स्कूल व कॉलेजों के ढांचे का उपयोग कर प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है।

पीएम विश्वकर्मा योजना: **पारंपरिक शिल्पकारों** के लिए **समग्र समर्थन**: प्रशिक्षण, क्रेडिट, टूलकिट, डिजिटलीकरण और विपणन सहायता।

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY):

- ग्रामीण युवाओं को वेतनयुक्त रोजगार के लिए प्रशिक्षित करता है।
- ग्रामीण परिवारों की आय में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित।

स्किल इंडिया की प्रमुख उपलब्धियाँ :

- **व्यापक प्रशिक्षण कवरेज:** 2015 से अब तक PMKVY के तहत 1.6 करोड़+ युवाओं को प्रशिक्षण; 2014 से अब तक MSDE की सभी योजनाओं के तहत 6 करोड़+ नागरिक प्रशिक्षित।
- **लैंगिक और सामाजिक समावेशन:** PMKVY में 45% प्रशिक्षु महिलाएं; SC, ST और OBC वर्गों की भी सशक्त भागीदारी।
- **तकनीकी विस्तार:** प्रशिक्षण में अब AI, रोबोटिक्स, IoT, मेक्ट्रॉनिक्स और ड्रोन तकनीक जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया।
- **विशेष परियोजनाएँ:** बू जनजाति, जेल बंदियों और जम्मू-कश्मीर की नमदा कारीगर महिलाओं को प्रशिक्षण।
- **इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप में वृद्धि:** PM-NAPS के तहत 43.47 लाख से अधिक प्रशिक्षु; 51,000+ प्रतिष्ठानों के साथ साझेदारी।
- **PM विश्वकर्मा योजना:** जुलाई 2025 तक 2.7 करोड़+ आवेदन प्राप्त, 29 लाख पंजीकृत।

ब्लैक होल विलय / Black Hole Merger

संदर्भ:

वैज्ञानिकों ने अब तक देखी गई **सबसे बड़ी ब्लैक होल टक्कर** से उत्पन्न सिग्नल्स का पता लगाया है, जो ब्रह्मांड में होने वाली **सबसे शक्तिशाली खगोलीय टक्करों** के अध्ययन में एक **ऐतिहासिक उपलब्धि** मानी जा रही है। यह खोज **गुरुत्वीय तरंगों** के माध्यम से की गई है और यह ब्लैक होल भौतिकी तथा ब्रह्मांड की उत्पत्ति को समझने में **नई संभावनाएं** खोलती है।

घटना के बारे में:

- इस घटना का नाम GW231123 रखा गया, जिसे 23 नवंबर 2023 को गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाने वाले वैश्विक नेटवर्क – LIGO, Virgo और KAGRA – द्वारा दर्ज किया गया।
- इस टक्कर में दो ब्लैक होल शामिल थे जिनका द्रव्यमान क्रमश: हमारे सूर्य के द्रव्यमान से 100 और 140 गुना अधिक था। इनके विलय से 225 सौर द्रव्यमान वाला अंतिम ब्लैक होल बना – जो अब तक देखे गए सबसे भारी ब्लैक होल विलयों में से एक है।

क्या हैं Gravitational Waves?

- **गुरुत्वीय तरंगें** (Gravitational Waves) अंतरिक्ष-समय (space-time) की सतह पर उत्पन्न **सूक्ष्म तरंगें** हैं।
- इन्हें सबसे पहले **1916 में अल्बर्ट आइंस्टीन** ने अपनी **सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत (General Theory of Relativity)** के तहत **परिकल्पित** किया था।
- ये तरंगें तब उत्पन्न होती हैं जब **कोई बहुत भारी वस्तु**—जैसे दो ब्लैक होल या न्यूट्रॉन स्टार—एक-दूसरे की ओर खिंचकर अंतत: टकरा जाती हैं।

कैसे उत्पन्न होती हैं?

- जब कोई **ब्रह्मांडीय पिंड बहुत तेज़ी से गति करता है** या टकराता है, तो यह अंतरिक्ष-समय में **लहरें या कंपन** (ripples) पैदा करता है।
- ये तरंगें **प्रकाश की गति** से चारों ओर फैलती हैं और जब पृथ्वी तक पहुंचती हैं, तो वे दूरी और समय में **बेहद सूक्ष्म बदलाव** लाती हैं।

कैसे पहचान की जाती हैं?

- इन सूक्ष्म कंपन को मापने के लिए बनाए गए हैं **विशेष उपकरण**, जिन्हें कहते हैं:
  - **LIGO (USA)** – Laser Interferometer Gravitational-Wave Observatory
  - **Virgo (Italy)**
  - **KAGRA (Japan)**

इंटरफेरोमीटर कैसे काम करता है?

- LIGO जैसे डिटेक्टर दो लंबी भुजाओं वाला **एल-आकार का इंटरफेरोमीटर** होता है:
  - **प्रकाश की किरणें** दोनों भुजाओं में भेजी जाती हैं और वापस लौटती हैं।
  - सामान्यत: दोनों किरणें एक-दूसरे को **नष्ट** कर देती हैं (destructive interference)।

ब्लैक होल (Black Holes):

परिभाषा:

ब्लैक होल अंतरिक्ष का एक ऐसा क्षेत्र होता है जहां गुरुत्वाकर्षण इतना तीव्र होता है कि **प्रकाश तक वहां से बाहर नहीं निकल सकता**। इसका प्रभाव इतना शक्तिशाली होता है कि समय, द्रव्यमान और ऊर्जा की पारंपरिक समझ वहां असफल हो जाती है।

ब्लैक होल के प्रकार:

1. **स्टेलर-मास ब्लैक होल (Stellar-mass):**
   - बनते हैं विशाल तारों की मृत्यु के बाद।
   - आमतौर पर कुछ से लेकर दर्जनों सौर द्रव्यमान तक होते हैं।
2. **इंटरमीडिएट-मास ब्लैक होल (Intermediate-mass):**
   - सैकड़ों से हज़ारों सौर द्रव्यमान तक।
   - उदाहरण: हालिया खोज **GW231123** का अवशेष।
3. **सुपरमैसिव ब्लैक होल (Supermassive):**
   - करोड़ों से अरबों सौर द्रव्यमान तक।
   - हर आकाशगंगा के केंद्र में मौजूद होते हैं (जैसे – हमारी आकाशगंगा के केंद्र में *Sagittarius A**)।

वैज्ञानिक और सैद्धांतिक महत्व:

- **ज्योतिपरक मॉडल की चुनौती (Challenges to Astrophysical Models):**
  - GW231123 जैसी घटनाएं ब्लैक होल निर्माण, अत्यधिक गुरुत्व में पदार्थ का व्यवहार, और ब्रह्मांडीय नियमों की हमारी समझ को **नया रूप देने में सहायक** हैं।
- **ब्रह्मांडीय प्रभाव (Cosmological Impact):**
  - हर गुरुत्वीय तरंग या ब्लैक होल विलय का अवलोकन हमें **ब्लैक होल की संख्या**, **वितरण**, और **ब्रह्मांडीय इतिहास में उनके विकास** की जानकारी देता है।

पृथ्वी का घूमना / Spinning of Earth

संदर्भ:

पृथ्वी 9 जुलाई, 22 जुलाई और 5 अगस्त 2025 को थोड़ा तेज घूमने की उम्मीद है, जिससे हर दिन की लंबाई लगभग 1.3 से 1.51 मिलीसेकंड तक कम हो जाएगी।

पृथ्वी का घूर्णन (Spinning of Earth): विस्तृत विवरण

परिचय:

- पृथ्वी लगातार एक काल्पनिक अक्ष (axis) पर घूमती रहती है, जो उत्तरी ध्रुव, पृथ्वी के केंद्र और दक्षिणी ध्रुव से होकर गुजरती है।
- यह घूर्णन पृथ्वी के दिन और रात के चक्र के लिए ज़िम्मेदार है और हमारे सौर मंडल की एक मौलिक गतिशील प्रक्रिया है।

पृथ्वी के घूर्णन के मुख्य तथ्य:

- **दिशा:** पृथ्वी *पश्चिम से पूर्व* दिशा में घूमती है, जिसे प्रतिगामी (prograde) घूर्णन कहा जाता है।
- **समय अवधि:** पृथ्वी अपनी धुरी पर *23 घंटे 56 मिनट* में एक चक्कर पूरा करती है, जिसे *सौर दिवस (sidereal day)* कहते हैं।
- **गति:** भूमध्य रेखा पर पृथ्वी की घूर्णन गति लगभग 1670 किमी/घंटा होती है।

ध्रुवीय गति और बदलाव (Polar Motion):

- पृथ्वी का घूर्णन अक्ष स्थिर नहीं होता; यह समय के साथ हल्का-फुल्का हिलता रहता है – इसे *पोलर मोशन* कहते हैं।
- इसका कारण है पृथ्वी पर द्रव्यमान (mass) का पुनर्वितरण – जैसे बर्फ की चादरों का पिघलना, महासागरों में जल स्तर में परिवर्तन या भूगर्भीय घटनाएँ।

हालिया घटनाएँ और वैज्ञानिक रुचि:

- **2020:** वैज्ञानिकों ने पाया कि इस वर्ष पृथ्वी ने 28 बार औसत समय से *तेज़ी से* चक्कर लगाए – यह 1970 के दशक के बाद पहली बार हुआ।
- **5 जुलाई 2024:** अब तक का *सबसे छोटा दिन* रिकॉर्ड किया गया – यह सामान्य 24 घंटे से *मिलिसेकंड* स्तर पर कम था।

प्रभाव: पृथ्वी के घूर्णन में सूक्ष्म बदलावों के कारण दिन की लंबाई मिलीसेकंड स्तर पर बदल सकती है, लेकिन हमारी घड़ियाँ (समय-मापन प्रणाली) सामान्यतः अपरिवर्तित रहती हैं, क्योंकि समय-क्षेत्रों में समायोजन तभी आवश्यक माना जाता है जब संचयी अंतर लगभग 900 मिलीसेकंड (0.9 सेकंड) तक पहुँचे।

- इन अंतरों की निगरानी अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी घूर्णन एवं संदर्भ प्रणालियाँ सेवा करती है, जो आवश्यकता पड़ने पर "लीप सेकंड" जोड़ती है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद / ICAR

संदर्भ:

16 जुलाई 2025 को नई दिल्ली के NASC परिसर, पुसा में स्थित **C. Subramaniam Auditorium** में कार्यक्रम आयोजित किया गया

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के बारे में

- यह एक स्वायत्त निकाय है जो कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (DARE), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्य करता है।
- ICAR भारत में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षा के समन्वय, मार्गदर्शन और प्रबंधन हेतु सर्वोच्च संस्था है।
- इसकी स्थापना 1929 में **Imperial Council of Agricultural Research** के रूप में हुई थी।
- इसका मुख्यालय **NASC कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली** में स्थित है।

2024–25 की प्रमुख पहलें

- **श्री अन्न (मोटे अनाजों) पर वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र:** अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 की विरासत को आगे बढ़ाते हुए वैश्विक स्तर पर मोटे अनाजों का प्रचार।
- **40 फसलों में जीनोम संपादन:** जलवायु लचीलापन, कीट प्रतिरोध और पोषण गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए।
- **क्लीन प्लांट प्रोग्राम:** रोग-मुक्त पौध सामग्री सुनिश्चित करने के लिए 9 केंद्रों पर संचालित।
- **MAHARISHI (Millets and Other Ancient Grains International Research Initiative):** पारंपरिक अनाजों के संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पहल।
- **बायोटेक फसलों एवं उभरते कीटों पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना:** जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न कीट प्रकोपों के विरुद्ध अनुसंधान को मज़बूती देना।

पैट्रियट प्रणाली / Patriot System

संदर्भ:

हाल ही में यूक्रेन को हथियार आपूर्ति को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह यूक्रेन की रूस की आक्रामकता से रक्षा के लिए पेट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम भेजेंगे।

पैट्रियट प्रणाली (Patriot System) के बारे में

- **पूरा नाम:** *Phased Array Tracking Radar for Intercept on Target*
- यह एक **उन्नत, मोबाइल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली** है जिसे **Raytheon** कंपनी द्वारा विकसित किया गया है।
- यह अमेरिका के सबसे परिष्कृत वायु रक्षा प्रणालियों में से एक मानी जाती है और 1980 के दशक से सेवा में है।

मुख्य घटक:

- रडार प्रणाली
- नियंत्रण इकाइयाँ
- लॉन्चर (मिसाइल प्रक्षेपक)
- सहायक वाहन

क्षमताएँ:

- यह प्रणाली **विमानों, क्रूज़ मिसाइलों और बैलिस्टिक मिसाइलों** को इंटरसेप्ट कर सकती है।
- **PAC-2 इंटरसेप्टर:** लक्ष्य के पास विस्फोट कर उसे नष्ट करता है।
- **PAC-3 इंटरसेप्टर:** लक्ष्य से सीधे टकराकर उसे निष्क्रिय करता है।
- **रडार की रेंज:** 150 किमी से अधिक।

विशेष उपलब्धि:

- हालांकि यह हाइपरसोनिक हथियारों के लिए नहीं बना था, फिर भी **यूक्रेन ने 2023 में एक रूसी किंझाल (Kinzhal) मिसाइल** को गिराने के लिए इसका उपयोग सफलतापूर्वक किया।

वैश्विक उपयोग:

- अब तक **240 से अधिक यूनिट्स** 19 देशों को दी जा चुकी हैं, जिनमें **अमेरिका, जर्मनी, जापान और यूक्रेन** शामिल हैं।

लागत:

- एक **पैट्रियट बैटरी** की लागत **$1 बिलियन से अधिक** होती है।
- हर **मिसाइल की कीमत लगभग $4 मिलियन** होती है।

E10 शिंकानसेन / E10 Shinkansen

संदर्भ:

जापान ने हाल ही में भारत को **E10 शिंकानसेन ट्रेन** उपलब्ध कराने पर सहमति दी है। ये ट्रेनें भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना के लिए खासतौर पर डिजाइन की गई हैं

E10 शिंकान्सेन (E10 Shinkansen) के बारे में

- **परिचय:** जापान की अगली पीढ़ी की बुलेट ट्रेन **E10 Shinkansen** भारत और जापान में एक साथ लॉन्च की जाएगी, जो दोनों देशों के बीच गहरे होते तकनीकी सहयोग का प्रतीक है।
- **विकासकर्ता:** **ईस्ट जापान रेलवे कंपनी (JR East)** द्वारा विकसित।
- **पूर्ववर्ती मॉडल:** **E5 Shinkansen** का उन्नत संस्करण।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **उन्नत एयरोडायनामिक्स**: उच्च गति पर स्थिरता और दक्षता।
  - **ऊर्जा दक्षता**: कम ऊर्जा खपत और पर्यावरण अनुकूल तकनीक।
  - **बेहतर यात्री सुविधा**: आरामदायक सीटें, शोर में कमी, और चिकनी यात्रा।
  - **Blowerless Induction Motor**: कूलिंग मोटर के बिना कार्य करता है, जिससे ट्रेन और अधिक शांत और ऊर्जा-कुशल होती है।
  - **L-आकार की व्हीकल गाइड्स**: भूकंप के दौरान पटरी से उतरने से रोकने के लिए डिज़ाइन की गई – **भूकंपीय सुरक्षा** में वृद्धि।
  - **उच्च गति, सुरक्षा और विश्वसनीयता** के जापानी मानकों का आदर्श उदाहरण।

भारत के लिए E10 Shinkansen का महत्व

- **भारतीय रेलवे अवसंरचना का आधुनिकीकरण:**
  - **मुंबई–अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (MAHSR)** कॉरिडोर, जिसकी लंबाई 508 किमी है, पूरी तरह **जापानी शिंकान्सेन तकनीक** पर आधारित है।
  - E10 मॉडल की शुरुआत इस परियोजना को **विश्व स्तरीय रेल नेटवर्क** में बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

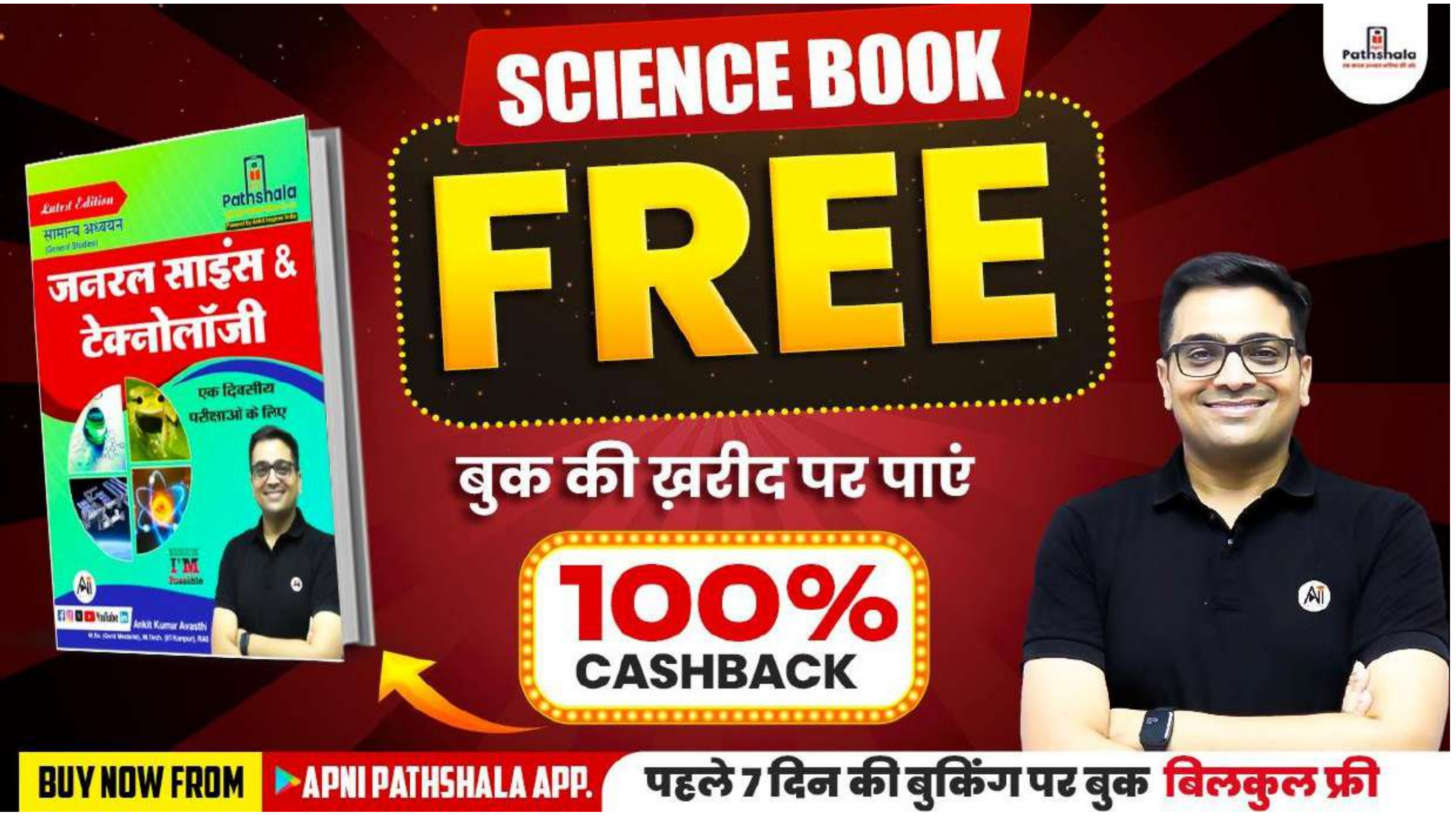
Pathshala
SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Latest Edition
Pathshala
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION
For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

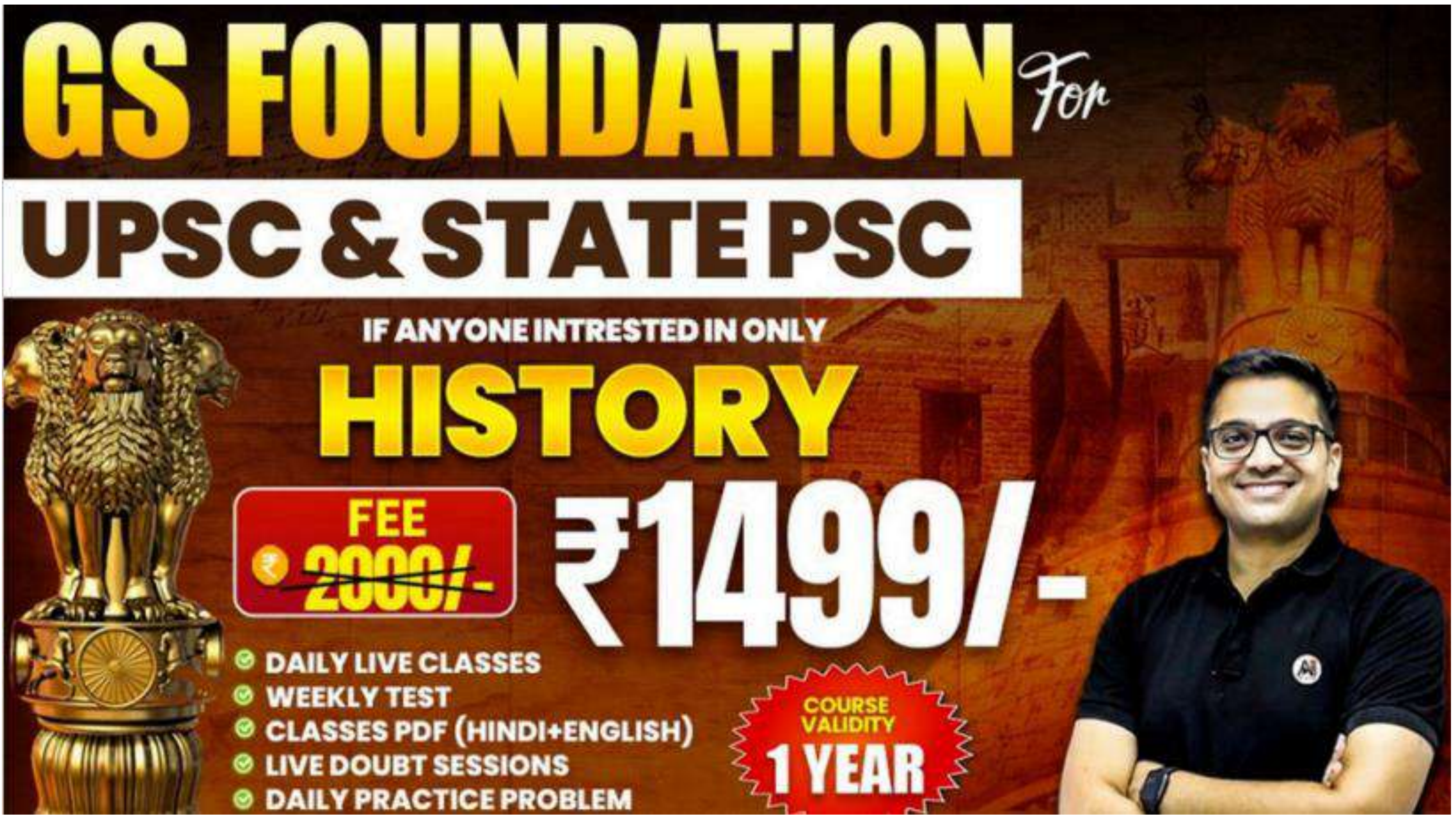
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का
सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

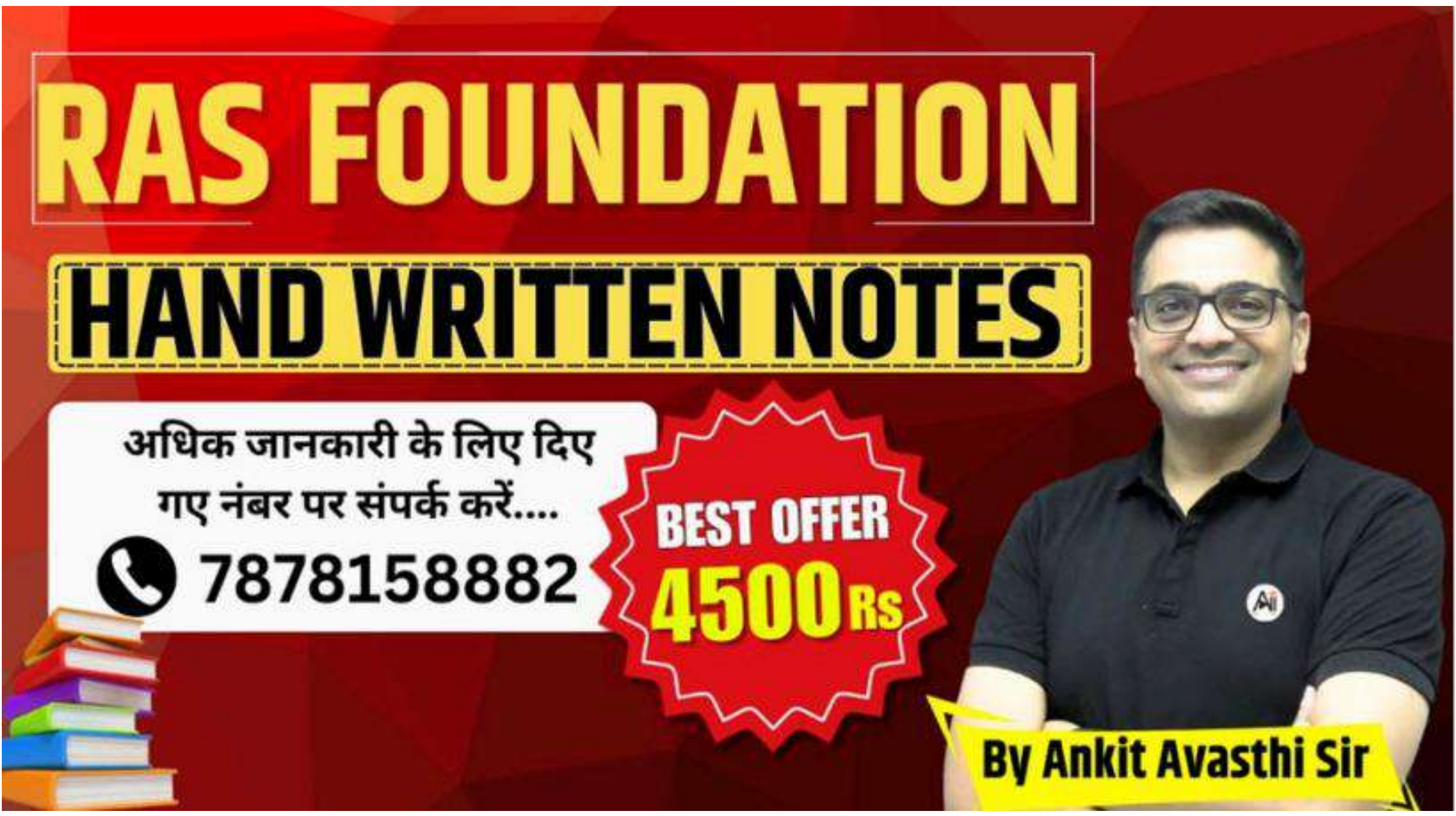
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

BBK
FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
~~₹1999/-~~
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
COUPON CODE
ANKIT500
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

Pathshala
भूगोल-I
भूगोल-II
इतिहास-I
इतिहास-II
अर्थव्यवस्था
भारतीय राजव्यवस्था
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
नई संस्करण
जी.ए फाउंडेशन
हैंडरिटन नोट्स
लॉन्च हो चुके हैं..
अभी खरीदें -
1999/-
(नियम और शर्तें लागू)
और पाएं साइंस की बुक फ्री (7 दिन तक)

CALL
CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: